आज यह पत्रा० पेश हुई। प्रार्थी व उनके वकील कोई उपस्थित नहीं हो वाद-पत्र अदम हाजरी व अदम पैरवी मे खारीज हो चुका है। प्रार्थना पत्र मे अब कोई कार्यवाही वांछित नहीं है। प्रा.पत्र को इसी स्तर पर खारीज किया जाता है। पत्रा० नम्बर से कम होकर संलग्न वाद रहे।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ramkishor Mina
Date: 2025.06.13 11:52:54 IST
Reason: SelfAttested

उपखण्ड अधिकारी
[illegible]